**********भैरव महोत्सव**********

मान्यताओं के महाकुंभ में होगा विलक्षण समागम

महोत्सव का मुख्य उद्देश्य झारखंड के प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिरों को आम लोगों तक पहुंचाना है। साथ ही महोत्सव में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जा रहा है, जो निश्चित रूप से आगंतुक श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र होगा.

बोकारो जिला के चन्दनक्यारी प्रखंड के भोजुडीह गांव में भैरव महोत्सव का शुभारंभ होगा। इस दौरान पारंपरिक पूजा अर्चना के साथ ही वृहद स्तर पर मेले तथा सांस्कृति समारोह का भी आयोजन किया जाता है। चंदनकियारी प्रखंड से सिर्फ दस किलोमीटर की दूरी पर स्थित भोजुडीह गांव में भैरव बाबा का एक प्राचीन मंदिर है। भैरव स्थान में हर दिन स्थानीय लोग सैकड़ों की संख्या में पूजा करने आते हैं। करीब 800 साल पूर्व बने इस मंदिर की प्रतिमाएं 12वीं शताब्दी की हैं। यहां भैरव बाबा के अलावा मां दुर्गा की भी प्रतिमा स्थापित है। भैरव मंदिर में प्रसाद के रूप में नारियल चढ़ाया जाता है। कहते हैं कि इस मंदिर में जो भी मन्नत मांगी जाती है उसे भैरव बाबा जरूर पूरी करते हैं।

तीन दिवसीय भैरव महोत्सव का आयोजन इस बार कला संस्कृति विभाग की ओर से कराया जा रहा है, ताकि झारखण्ड के लोगों के साथ ही देश भर के लोग न केवल इस मंदिर की महिमा को जानें, बल्कि यहां आकर साक्षात बाबा भैरव के दर्शन भी करें.